कुल पृष्ठ संख्या– 28 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 0706307

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	4
2	06	20	4
3	12	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर ______

संकेतांक 3 2 2 4 1

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय इतिहास

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 04-03-2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3)कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–

   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।

   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।

   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।

   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।

5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		Section - A
18	Q.1	
	Ans:	
1	(i)	(द) हरिषेण
1	(ii)	(ब) कुषाण
1	(iii)	(ब) पति का
1	(iv)	(द) मन्दसौर
1	(v)	(स) बौद्ध धर्म
1	(vi)	(स) इब्नबतूता
1	(vii)	(ब) अल-बरुनी - स्पेन
1	(viii)	(ब) विष्णु
1	(ix)	(द) गुरु अर्जन देव
1	(x)	(स) विजयनगर
1	(xi)	(स) तालीकोटा
1	(xii)	(द) गन्ना

BSEB-181/2026

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(xiii)	(अ) मुकद्दम
1	(xiv)	(स) हल
1	(xv)	(द) संथाल
1	(xvi)	(ब) जोजेफ नोएल पेटन
1	(xvii)	(स) बिरजिस कद्र
1	(xviii)	(स) प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस
06	Q.2	
1	Ans:- (i)	सात सौ (700)
1	(ii)	महाभारत
1	(iii)	किताब - उल - हिन्द
1	(iv)	कॉलिन मैकेंजी
1	(v)	जमींदार
1	(vi)	अवध

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	12	
	Q.3	
1	Ans: (i)	चाणक्य 'चन्द्रगुप्त' मौर्य के मंत्री थे।
1	(ii)	पाटलीपुत्र को वर्तमान में 'पटना' कहा जाता है।
1	(iii)	बहुपत्नि प्रथा → इसके अन्तर्गत एक पति अर्थात् पुरुष की अनेक पत्नियाँ होती थी।
1	(iv)	सबसे प्राचीन गुफाएँ 'अशोक ने' आजीविक सम्प्रदाय हेतु बनवाई थी।
1	(v)	'फ्रांस्वा बर्नियर' ने दारा शिकोह के चिकित्सक रूप में कार्य किया।
1	(vi)	शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह 'अजमेर (राज०)' में स्थित है।
1	(vii)	विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई० हुई।
1	(viii)	आइन-ए-अकबरी पुस्तक 'अबुल फ़जल' ने लिखी थी।
1	(ix)	पहाड़िया लोग 'झूम खेती' करते थे।
1	(x)	'ये गिलास एक दिन हमारे मुँह में आकर गिरेगा' यह कथन 'अवध रियासत' के बारे में था।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1 (xi) लाल के रूप में → 'लाला लाजपत राय'
बाल के रूप में → 'बाल गंगाधर तिलक'
पाल के रूप में → 'विपिनचन्द्र पाल'

तीनों ही उग्रवादी नेता थे।

1 (xii) संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. 'राजेन्द्र प्रसाद' थे।

Section - B

Q.4 Ans: सिंधु घाटी सभ्यता में बाट का उपयोग माप-तौल के कार्यों में किया जाता था। छोटे बाटों का प्रयोग आभूषण आदि तौलने हेतु किया जाता था। बाट सामान्यतः चर्ट नाम पत्थर से बने होते थे। इनके मानदण्ड ऊपरी दशमलव व नीचले द्विआधारी प्रणाली का अनुसरण करते थे।

(2)

Q.5 Ans: मगध महाजनपद के प्राकृतिक संसाधन →

(i) मगध महाजनपद में उपजाऊ भूमि पाई जाती थी जो कृषि के विकास में सहायक दी थी।

1+1 = (2)

(ii) मगध में लोहे की खदाने पाई जाती थी

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जिनसे हथियार व औजार बनाए जाते थे।

Q.6 अक्षत्रिय राजाओं के नाम
Ans: ———→

(i) शुंग
1+1=2 (ii) कण्व वंश • गौतमीपुत्र शातकर्णी ने भी अपने आपको अनूठा ब्राह्मण मान लिया था। क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला।

Q.7 स्तूप की संरचना से सम्बन्धित दो भाग
Ans: ———→

(i) अंड (मिट्टी का टीला) → स्तूप का जन्म इसी भाग से होता था।
1+1=2
(ii) हर्मिका (छज्जे जैसे ढाँचा) → अंड के ऊपर छज्जे जैसे ढाँचा हर्मिका।

Q.8 डाक प्रणाली से प्राप्त जानकारी
Ans: ———→

(i) भारतीय डाक प्रणाली द्वारा न केवल सामान व उधार भेजना सम्भव हुआ, सन्देश भेजना भी सम्भव हो गया था।
1+1=2

(ii) जहाँ पहले सिंध से मुल्तान तक पचास दिन का

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

समय लगता था, वहीं अब शासक के पास गुप्तचरें पाँच दिन में भेजना सम्भव हो गया था। यह कतनी विकसित हो चुकी थी।
(1) अश्व डाक प्रणाली (2) पैदल डाक प्रणाली

Q.9
Ans: विजयनगर साम्राज्य में जल सम्पदा सुरक्षित हेतु निम्न प्रयास किए गए →

विजयनगर साम्राज्य में जल सम्पदा के स्रोत के लिए तुंगभद्रा नदी, कमलपुरम जलाशय, हिरिया नहर थी। तुंगभद्रा नदी की जलधाराओं पर बांध बना दिए गए। इन जलधाराओं का अलग-अलग क्षेत्रों में जल जाता था जिस कारण जल आपूर्ति सुनिश्चित हो गई। मानसून पर निर्भर सिंचाई के कारण जल का संग्रहण भी किया जाता था।

(2)

Q.10
Ans: सूर्यास्त विधि → ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा निर्धारित राजस्व जमींदार को एक निश्चित तारीख पर सूर्यास्त से पूर्व चुकाना पड़ता था। यदि वह राजस्व का भुगतान नहीं कर पाता था तब उसकी जमींदारी नीलाम कर ली जाती थी। यही सूर्यास्त विधि थी।

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.11 के विद्रोह के दौरान फैली एक अफवाह
Ans: 1857 →

(i) इस विद्रोह के दौरान यह अफवाह फैली थी कि सैनिकों को एनफील्ड राइफल में कारतूस को अपने दाँतों से खींचने को बाध्य किया जिसमें गाय तथा सूअर की चर्बी लगी होती थी। सैनिकों के भोजन में भी गाय व सूअर की हड्डियों का चूरा मिलाया जाता था।

(2)

Q.12 दांडी यात्रा
Ans: → दांडी यात्रा 12 मार्च 1930 को गाँधीजी द्वारा 'साबरमती' आश्रम से शुरू की गई थी। जिसका उद्देश्य आदि दांडी पहुँचकर नमक बनाकर नमक कर का उल्लंघन करना था।

1+1 (2)

Q.13 राज्य सरकार के लिए कर
Ans: →

(i) राज्य सरकार केन्द्र सरकार के साथ-साथ स्वयं भी आय कर व आबकारी कर की आय प्राप्त कर सकती है।

(2)

(ii) राज्यस्तरीय सभी कर राज्य सरकार के अधीन थे।
(iii) राज्य सरकार स्वयं भी अपनी इच्छा से कुछ कर

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लगा सकती है।

Section - C

Q.14
Ans: (I)

जैन धर्म के पंच महाव्रत व्यक्ति के चरित्र निर्माण में अत्यन्त सहायक है। जैन धर्म की मान्यता के अनुसार कर्म फल से मुक्ति प्राप्त करने के लिए त्याग व तपस्या की जरूरत होती थी। जैन धर्म को अपनाने वाले पाँच व्रत लेते थे -

(i) चोरी न करना
(ii) हत्या न करना
(iii) ब्रह्मचर्य
(iv) झूठ न बोलना
(v) धन - संग्रह न करना।

इन पाँचों व्रतों को अपनाकर मनुष्य अपने कर्म से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है।

जैन धर्म के अहिंसात्मक रहने की प्रेरणा भी देता है। सभी मनुष्यों को शान्तिप्रिय जीवन व्यतित करने की स्वतंत्रता है।

अतः इन सिद्धांतों को अपनाकर मनुष्य चारित्रिक व बौद्धिक क्षमता का विकास, मोक्ष की

P.T.O.

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्राप्ति, शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकता है। दूसरों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बन सकता है। यज्ञ, कर्मकाण्ड, बहुदेववाद को त्यागकर कर्मवाद में विश्वास करता है।

Q.15
Ans: (I)

मुगल-काल में उगाई जाने वाली फसलें →

मुगल-काल में फसलें दो मौसम चक्रों के साथ बोई जाती थी जिसमें रबी (वसन्त) व खरीफ (पतझड़) प्रमुख है। मुगल काल में लोगों का प्राथमिक उद्देश्य लोगों का पेट भरना था तब गेहूँ, ज्वार, चावल की कृषि की जाती थी। बाद में कुछ नकदी फसलें जैसे कि तिलहन व दलहन फसलें उगाई जाती थी। 'जिन्स-ए-कामिल' के नाम से सर्वोत्तम फसलें उगाई जाती थी जिसमें कपास तथा गन्ना प्रमुख थी। इन फसलों के द्वारा राज्य को अत्यधिक राजस्व की प्राप्ति हो जाती थी। उस समय तम्बाकू की भी खेती की गई थी जो दक्षिण भारत में ज्यादा फैली तथा जहाँगीर ने पाबन्दी लगा दी थी। जहाँ पर सिंचाई

(3)

BSER-181/2026

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सुविधाएँ कम पाई जाती थी, वहाँ एक समय में एक तथा जहाँ सिंचाई सुविधाएँ ज्यादा थी वहाँ पर एक साथ दो या तीन फसलें उगाई जाती थी।

Q.16
Ans: (I)

असहयोग आन्दोलन शान्ति की दृष्टि से नकारात्मक तथा प्रभाव की दृष्टि से सकारात्मक था। असहयोग आन्दोलन गाँधीजी द्वारा चलाया गया था। इस आन्दोलन में भाग लेने वाले सत्याग्रहियों ने किसी भी तरह से हिंसात्मक विरोध न कर अहिंसात्मक विरोध किया था। इसमें विदेशी कपड़ों का, उत्सवों का, वस्तुओं का बहिष्कार किया गया था। इसमें सरकारी अदालतों का, शिक्षा संस्थाओं का वकीलों तथा बच्चों द्वारा विरोध किया गया था। इस आन्दोलन को काफी हद तक सफलता भी प्राप्त हुई। अंग्रेजी लोगों को उनकी सत्ता का डर लगने लगा था। इस आन्दोलन में खिलाफत आन्दोलन मिलाकर एक वर्ष में ब्रिटिश शासन समाप्त करना था।

(3)

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी. उत्तर

हिन्दु - मुस्लिम एकता की, सता में मंच की आशा की गई। इस आन्दोलन का काफी हद तक प्रसार हुआ था। इस प्रकार यह शान्तिप्रिय विद्रोह प्रभावकारी हो रहा था। परन्तु कारणवश गाँधीजी को स्थगित करना पड़ा।

Q.17
Ans: (I)

संविधान सभा में चर्चाएँ जनमत से प्रभावित थी -

(i) संविधान में हुई चर्चाओं पर लम्बी बहस चलती थी। विभिन्न भागों के तर्कों को समाचार-पत्रों में प्रकाशित किया जाता था। यह बहस सार्वजनिक रूप से चलती थी।

(ii) सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए लोगों के पक्षों को सम्मलित किया जाता था।

(iii) धार्मिक ~~अ~~ अल्पसंख्यक लोग अपने धर्म को लेकर सुविधाएँ प्राप्त करना चाहते थे।

(iv) भाषाई अल्पसंख्यक लोग अपनी मातृभूमि की रक्षा हेतु तक सम्मान हेतु प्रावधान चाहते थे।

(v) दलित वर्ग के लोग तथा आदिवासी लोग

3

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सीटों में आरक्षण चाहते थे। तथा निर्वाचित प्रतिनिधि की माँग करते थे।

Section - D

Q.18

Ans: (I)

सिन्धु घाटी सभ्यता के नगर - नियोजन से लोगों की जीवन शैली व बुद्धिमता का निम्न प्रकार से पता चलता है -

(4)

नगर - नियोजन →

(i) नगर का दो भागों में विभाजित होना → नगर दो भागों में विभाजित था जिसमें एक दुर्ग तथा दूसरा निचला शहर था। दुर्ग में सार्वजनिक इस्तेमाल हेतु सरचनाएँ थी - मालगोदाम व विशाल स्नानघर। निचला शहर में आवासीय भवन थे जहाँ आम लोग रहते थे। यहाँ पर कई आवासीय भवन थे जो आँगन के चारों ओर केन्द्रित थे। प्रत्येक घर में ईंटों के फर्श से बना निजी स्नानघर पाया जाता था।

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) सड़के → सिन्धु घाटी सभ्यता में सड़के एक ग्रिड पद्धति द्वारा बनाई गई थी जो चौड़ी थी तथा एक - दूसरे को समकोण पर काटती थी। ये सड़के पक्की होती थी।

(iii) नालियाँ → घरों का पानी (गन्दा) निकालने के लिए नालियाँ बनी हुई थी। नालियों के साथ पहले गलियों को, फिर भवनों का बनाया जाता था। पक्की ईंटों से बनी नालियों से साथ घर की एक दिवार सटी होती थी।

(iv) विशाल स्नानघर → यह संरचना दुर्ग में पाई जाती थी। चारों ओर गलियारे से गिरा कृत्रिम जलाशय आयताकार था। उत्तर में एक संरचना थी जिसमें आठ स्नानघर थे। तीन ओर कक्ष थे एक में बड़ा कुँआ था। सीढ़ियाँ बनी हुई थी।

ई नगर नियोजन की अन्य विशेषताएँ भी है जिससे वहाँ पर रहने वाले लोगों के जीवन के बारे में पता चलता है। इन नगरों से ही अनेक प्रकार के साक्ष्य प्राप्त हुए है जैसे कि - मुहरें, बाट, मनके,

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

धातु, लघु-मूर्तियाँ, अनाज के दानें, जानवरों की हड्डिया मिली है जो सिंधु सभ्यता के व्यापार, कृषि पशुपालन, शिल्पकला, आदि के बारे में संकेत देती है।

यहाँ के लोग आभूषण पहनने के शौकिन थे, सूती व ऊनी वस्त्र पहनते थे तथा मृतकों को दर्तों में दफनाया जाता था।

यहाँ के लोगों की बुद्धिमता का भी पता चलता है कि कई मानते थे यहाँ कोई शासक नहीं है, अनेक शासक व एक राज्य ही है।

Q.19 (II)
Ans: सूफी व राज्य के सम्बन्ध →

(i) राज्य द्वारा भेंट देना : राज्य के शासक सूफी लोगों को भेंट देते थे। सूफी संयमी व सादगी का जीवन बीताते थे। वह राजनैतिक गतिरोध से दूर ही रहते थे। राज्य द्वारा दी गई भेंटों को स्वयं स्वीकार

(4)

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कर लेते थे परन्तु कभी भी अपनी इच्छा से स्वयं राज्यों से भेंट नहीं माँगते थे।

(ii) सूफी लोगों की उदारता → सूफी लोग भेंट अस्वीकार कर राज्य का न तो अपमान करते थे परन्तु वे भेंट के रूप में मिली धन, वस्तुएँ आदि का संग्रह भी नहीं करते थे। वे इन भेंटों का उपयोग कर लेते थे तथा धन से अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को खरीद लेते थे। ये सादगी का जीवन व्यतीत करते थे इसलिए ज्यादा आकर्षक वस्तुओं की जगह अपने कपड़े, भोजन आदि खरीद लेते थे।

(iii) राज्यों द्वारा सूफियों का समर्थन → राज्यों के शासक सूफी लोगों से ज्यादा प्रभावित हुए थे जिस कारण वे उनका समर्थन चाहते थे। दूसरी तरफ जब दिल्ली सल्तनत की स्थापना हो गई थी तब तुर्क लोगों ने इस्लाम धर्म मानना अस्वीकार कर दिया था। अतः इसी कारण अर्थात् इस्लाम धर्म को अपनाने के लिए उन्होंने सूफियों का समर्थन चाहा।

P.T.O.

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) राजाओं द्वारा अपनी कब्रों को सूफी समाधियों के पास स्थित करना

→ राजाओं ने अपनी कब्रों को समाधियों के पास स्थित किया क्योंकि वे अपने आपको इन सूफियों से जोड़ना चाहते थे तथा प्रभाव में आना चाहते थे।

(v) राज्य व सूफियों में तनाव

→ राज्य व सूफी अपने आपको उच्च प्रतिष्ठा का साबित करने के लिए कुछ अपनाते थे - सिर झुकाना, चरणों में प्रणाम। राज्य के शासक सूफियों को कुछ उपाधियाँ देते थे - सुल्तान-उलम-शेख (निजामुद्दीन औलिया)

समाप्त

80/80

Ans: 20 → II

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2026

इतिहास
HISTORY

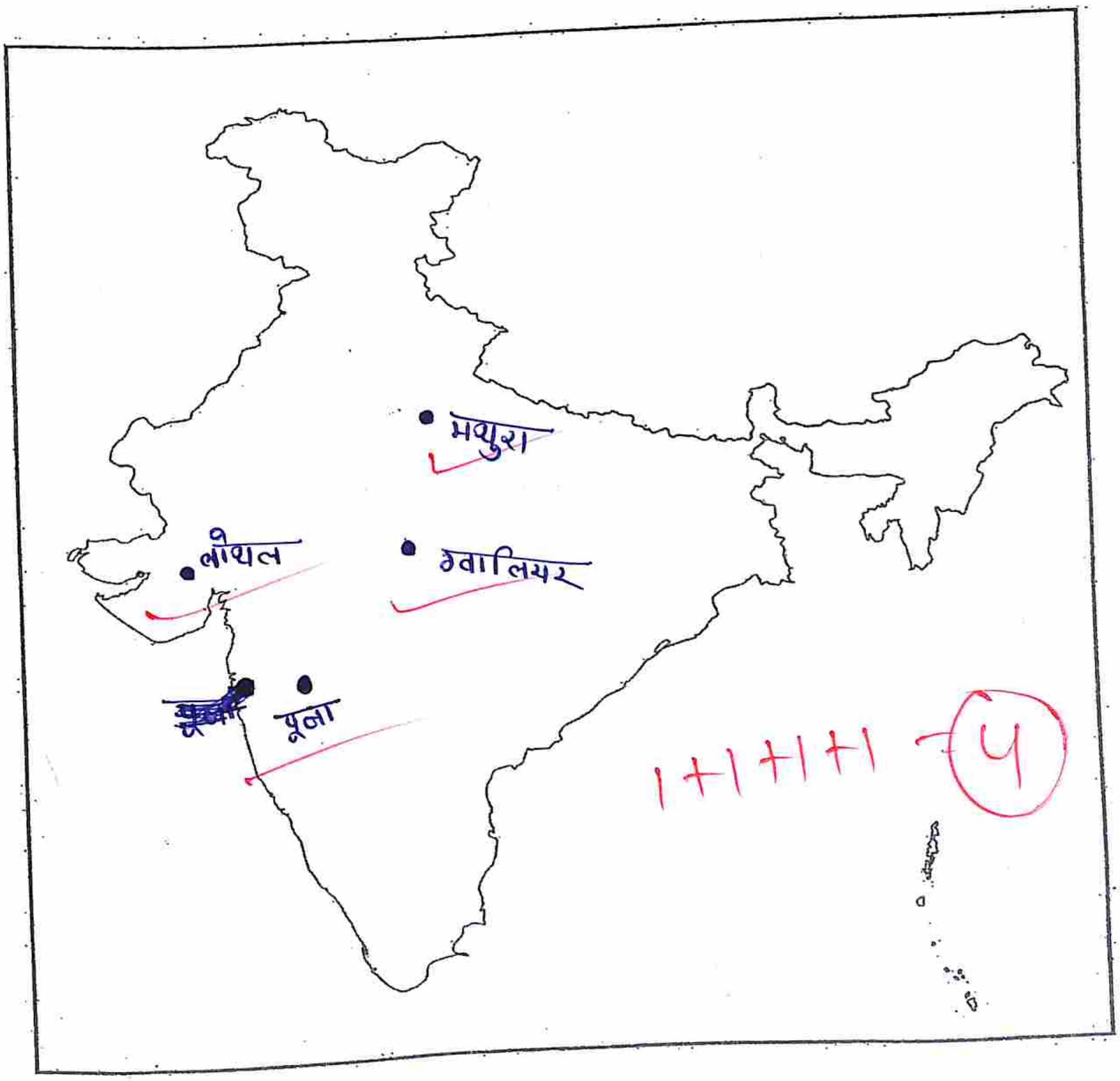

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

SS-13-Hist.

रीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

क्षक द्वारा दत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

...क द्वारा ...त्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSFR-181/2026

रीक्षक द्वारा दत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-181/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026